

फैशन के जलवे पूरी दुनिया में हैं और इसकी जो चमक-दमक दिखाई देती है, उसके पीछे कड़ी मेहनत होती है। फैशन डिजाइनर, फैशन जर्नलिस्ट से लेकर फैशन कोरियोग्राफर की भूमिका पर्दे के पीछे होती है, जो किसी को दिखाई नहीं देती। इस चुनौतीपूर्ण क्षेत्र में करियर की असीम संभावनाएं हैं।

ग्लैमर से जुड़ा फैशन कोरियोग्राफर

अगर आपको फैशन और ग्लैमर वर्ल्ड पसंद है, साथ ही आप क्रिएटिव भी हैं तो फैशन कोरियोग्राफी आपके लिए उपयुक्त करियर ऑप्शन हो सकता है। फैशन कोरियोग्राफी को फैटवाक कोरियोग्राफी के नाम से भी जाना जाता है। इस क्षेत्र के विशेषज्ञों के लिए ढेरों अवसर मौजूद हैं। फैशन में करियर का मतलब यह नहीं कि आप केवल कपड़ों के डिजाइन और उससे संबंधित अन्य चीजों से डील करें बल्कि इसमें डिजाइनिंग, मैन्युफैक्चरिंग और एक्सेसरीज उत्पाद जैसे जूली, बैग्स, फुटवियर भी शामिल होते हैं। यह फैशन जगत का ठीक वैसा ही करियर ऑप्शन है जैसे कि फैशन फोटोग्राफी, फैशन जर्नलिज्म आदि। फैशन कोरियोग्राफर किसी भी डिजाइनर के सपने को सर्वश्रेष्ठ रूप में स्टेज पर उतारने का प्रयास करता है।

फैशन कोरियोग्राफी

ये मॉडल्स द्वारा पहने गये कपड़ों को आकर्षक और पेशेवर रूप से दुनिया के सामने लाते हैं। फैशन कोरियोग्राफी में कई तरह के मूवमेंट पैटर्न होते हैं जिन्हें रैम पर चलते वक्त मॉडल्स संगीत की धुन के साथ फॉलो करती हैं। फैशन कोरियोग्राफर धुन, थीम और फैशन रन्वे शोज को डिजाइन करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। फैशन कोरियोग्राफर सामान्य तौर से शो का डायरेक्टर होता है। प्रोफेशनल और कमर्शियल रैम शोज, प्रोडक्ट लॉन्च जहां वलाइंट स्टेज शोज करवाना चाहता है, फैशन वीक्स, जिनमें गारमेंट का डिस्को मुख्य फोकस होता है, के लिए फैशन कोरियोग्राफर्स को जरूरत पड़ती है।

फीमेल्स के लिए उपयुक्त करियर

हालांकि यह लॉन्ग लॉर्निंग प्रोसेस है और एक बार इस क्षेत्र में प्रवेश के बाद हर पहलू पर बारीकी से रिसर्च

करने के बाद अगले शो को ज्यादा बेहतर बनाने की तैयारी करनी पड़ती है। मुख्यतः यह फीमेल्स के लिए उपयुक्त करियर ऑप्शन है। योग्यता फैशन कोरियोग्राफर बनने के लिए न्यूनतम योग्यता किसी भी विषय के साथ बारहवीं है। इस क्षेत्र की आधारभूत आवश्यकता क्रिएटिव टैलेंट है। हालांकि इस क्षेत्र में प्रवेश के लिए कोई खास कोर्स नहीं है, इस क्षेत्र में करियर बनाने वाले कैडीडेट चाहें तो अनुभवी फैशन कोरियोग्राफर को असिस्ट करके खुद को स्थापित कर सकते हैं। कौशल चूँकि यह क्रिएटिव करियर ऑप्शन है, इसलिए फैशन कोरियोग्राफर को क्रिएटिव होने के साथ ही रंगों और स्टाइल की बखूबी समझ भी जरूरी है। कोरियोग्राफर को व्यवहार कुशल, शांत और आत्मविश्वासी होना चाहिए। शो के दौरान किसी भी तरह की कठिन परिस्थिति से निपटने की क्षमता के साथ ही दबाव में और लंबे समय तक काम करने के लिए तैयार रहना चाहिए।

कॉरपोरेट इवेंट में भी फैशन शो

कार्य फैशन विस्तृत क्षेत्र है जिसमें अवसरों की भरमार है। डिजाइनर्स से लेकर फैशन ब्रांड्स तक अपने शो को हिट करवाने के लिए फैशन कोरियोग्राफर को हायर करते हैं। आज फैशन शो लगातार चलने वाला इवेंट बन गया है। यही वजह है कि इस क्षेत्र में फैशन कोरियोग्राफर के लिए संभावनाएं भी बढ़ी हैं। कोई भी कॉलेज डे फैशन शो के बिना पूरा नहीं होता, यहां तक कि आजकल कॉरपोरेट इवेंट में भी फैशन शो का आयोजन होने लगा है। जब डिजाइनर अपने कलेक्शन और प्रेजेंटेशन के बारे में कोरियोग्राफर को बताता है तो यह कोरियोग्राफर का काम होता है कि

वह शो की सफलता के लिए प्रत्येक चरण का प्लान बनाए। फैशन कोरियोग्राफर को शो के हर डीटेल जैसे एबीयंस डेकोर, स्टेज और रैम डिजाइन, लाइटिंग इफेक्ट्स, ऑडियो विजुअल, म्यूजिक, मॉडल्स, मेकअप और हेयरस्टाइलिंग से लेकर सभी मॉडल्स द्वारा पहने जाने वाले आउटफिट्स तक पर ध्यान देना होता है। चाहे तो प्रतिष्ठित कोरियोग्राफर को असिस्ट भी कर सकता है। इंडस्ट्री में एक्सपीरियंस और रेपुटेशन के साथ ही वह स्वतंत्र रूप से फ्रीलांसर के रूप में भी कार्य कर सकता है।

तकनीक की शिक्षा

इसके अलावा, फैशन कोरियोग्राफर के पास स्कूल शुरू करने का भी ऑप्शन होता है जहां वह इस क्षेत्र से जुड़ी तकनीक की शिक्षा दे सकता है। डिजाइनर्स के साथ-साथ ब्रांड आइडेंटिटी के डीलर्स भी अपने प्रोडक्ट के प्रदर्शन के लिए फैशन कोरियोग्राफर को हायर करते हैं। मॉडलिंग कंपनी भी जवाइन कर सकते हैं जहां पर मॉडल्स को फैट वाकिंग सिखा सकते हैं। कमाई इस क्षेत्र में आय कौशल और अनुभव के आधार पर अलग-अलग है। जिन कोरियोग्राफर के पास नियमित कस्टमर्स होते हैं उनकी आमदनी बढ़िया होती है। अच्छी रेपुटेशन वाले कोरियोग्राफर की आय भी ज्यादा होती है। हालांकि प्रतिष्ठित कोरियोग्राफर पैसों की डिमांड करते हैं जबकि बिगिनर्स को जो मिलता है, उससे ही संतुष्ट होना पड़ता है। संस्थान - नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी (निफट), दिल्ली नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन डिजाइन (निफड), ओडिसा नॉर्दन इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, मोहाली नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, अहमदाबाद

पढ़ाई के साथ कमाई में बुराई नहीं!

पढ़ाई के दौरान युवाओं को आर्थिक संकट से गुजरना पड़ता है। यदि वह पढ़ाई के साथ कमाना सीखे तो कई समस्याएं हल हो जाती हैं। बदलते वक्त के साथ पढ़ाई करते-करते काम करना और पैसे कमाना युवाओं की जिंदगी में शुमार हो चुका है। आज का युवा आर्थिक तौर से अपने पैरों पर खड़ा होना चाहता है क्योंकि यह बात उन्हें समझ में आने लगी है कि जब तक वे अपने पैरों पर खड़े नहीं होंगे तब तक आगे बढ़ने की सीमाएं उनके लिए सीमित हैं। विदेश में पढ़ाई करने वाले अधिकतर छात्र पार्ट टाइम जॉब जरूर करते हैं। इससे एक फायदा तो आर्थिक स्तर पर होता है, वहीं दूसरा फायदा यह होता है कि वे उस देश की संस्कृति-संस्कार और मार्केट को समझने के साथ संबंधित कार्य का अनुभव भी प्राप्त कर लेते हैं। युवाओं को स्वावलंबी होना खुद उनके लिए महत्वपूर्ण है। यदि वे काफी कम उम्र में आर्थिक तौर पर अपनी जिम्मेदारी उठाना सीख लेते हैं तो भविष्य में इसके फल मिलते हैं। पढ़ाई के साथ-साथ कमाई करने से पॉकेट मनी और रोजमर्रा की जरूरतों की तमाम खर्च पूरा करने में परेशानी का सामना नहीं करना पड़ता। अधिकतर छात्र पार्ट टाइम जॉब कर अपने करियर या कोर्स में

वैल्यू एड कर लेते हैं क्योंकि प्रोफेशनल दौर में डिग्री और अनुभव दोनों मायने रखता है। पढ़ाई के साथ-साथ जॉब करने से कई फायदे हैं- आर्थिक स्वावलंबन आर्थिक तौर से अपने पैरों पर खड़ा होने की प्रवृत्ति युवाओं को पार्ट टाइम जॉब करने के लिए आकर्षित करती है। पार्ट टाइम जॉब करना हर किसी की जिंदगी में अलग मायने रखता है क्योंकि जब आप अपने फंड्स के साथ पार्टी में जाते हैं, घूमने जाते हैं, फिल्में देखने जाते हैं, तो वहां खर्च करने के लिए किसी के सामने आपको हाथ पसारना नहीं पड़ता है। परिवार के सदस्यों और दोस्तों को गिफ्ट भी दे सकते हैं और छोटे-मोटे खर्च के लिए आपको परिवार पर निर्भर नहीं रहना पड़ता है। यदि आपका कोई साथी आर्थिक संकट से गुजर रहा है तो आप उसकी मदद भी कर सकते हैं। वर्क एक्सपीरियेंस - पार्ट टाइम जॉब करने से जहां वर्क एक्सपीरियेंस होता है, वहीं युवा अपने मनोनुकूल या पढ़ाई के अनुरूप काम करने में सफल होते हैं। किसी भी कोर्स के दौरान यदि आप काम करते हैं तो रेज्यूमे में आपका अनुभव

जुड़ता है और बाद में फेश ग्रेजुएट की तुलना में आपको प्राथमिकता दी जाती है। वर्क एक्सपीरियेंस के जरिए फील्ड के अनुभव भी होते हैं। इससे जिम्मेदारी की भावना आती है और यही कारण है कि अधिकतर फर्म उन लोगों को ज्यादा तवज्जो दे रही हैं जिनके पास डिग्री के साथ-साथ अनुभव है। किसी भी संस्था में काम करने का अनुभव जहां आपकी सोच को विस्तृत करता है, वहीं प्रैक्टिकल अनुभव के दौर से भी गुजरते हैं। करियर की अधिकता अधिकतर फूल टाइम प्रोफेशनल्स उच्च डिग्री लेने की चाह रखते हैं और सीखने के साथ-साथ कमाना भी उनका लक्ष्य होनी चाहिए। पार्ट टाइम जॉब करने के पीछे जो भी इरादा हो लेकिन यह आपको आगे बढ़ने में मदद करता है। किसी भी संस्था के वर्क कल्चर को जानना और आप जब पूरी तरह प्रोफेशनल मार्केट में आते हैं, तो आपसे क्या उम्मीद की जाती है, इसकी जानकारी पहले से रहना मायने रखता है। भविष्य में अपने क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए अपने टीम मेंबर से बातें करना, बॉस या फिर कस्टमर से घुलना-मिलना भी महत्वपूर्ण चीजें हैं। हालांकि लोग मानते हैं कि पढ़ाई के दौरान जॉब करना ठीक नहीं है क्योंकि कई बार ऐसे मौके आते हैं जब छात्र पढ़ाई में कम, काम के प्रति ज्यादा गंभीर हो जाते हैं। पढ़ाई हमेशा पहली प्राथमिकता होनी चाहिए लेकिन जॉब कर आप जान पाते हैं कि एक-साथ दो चीजों को कैसे हैंडल किया जाता है। यही कारण है कि अधिकतर छात्र ऐसे कदम उठाने से पहले कई बार सोचने के लिए मजबूर होते हैं। इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है कि भारत का वर्तमान एजुकेशन सिस्टम ऐसे स्किल्स को सामने लाने में अक्षम है जिससे बेरोजगारी खत्म हो। ऐसे में यह बहुत जरूरी है कि उन्हें इस बात का ज्ञान हो कि किसी भी परिस्थिति में वे अपना आपा न खोएं और कोर्स और कार्य को बेहतर तरीके से निबटारें। ध्यान रखें - किसी भी कोर्स के दौरान यदि आप काम करते हैं तो रेज्यूमे में आपका अनुभव जुड़ता है और बाद में फेश ग्रेजुएट की तुलना में आपको प्राथमिकता दी जाती है। पढ़ाई के साथ कमाएँ जरूर लेकिन पढ़ाई को प्रभावित किये बिना। इतनी देर ही नौकरी करें जिससे आप बिना थके पढ़ाई कर सकें। वही कार्य करें जो आपके कोर्स या प्रोफेशन से जुड़ा हो, जिससे कोर्स खत्म होने पर इस कार्यानुभव का फायदा आप उठा सकें।



परिपक्वता से ही मिलती है कामयाबी

कामयाब होना है तो उसके सपने देखने ही होंगे और उन्हें सच करने के लिए आपको धैर्य रखना होगा। याद रहे कि सपने देखने के लिए सोना पड़ता है और उससे भी पहले भोजन करना पड़ता है। क्या किसी ऐसे व्यक्ति को देखा है जो बिना खाये-पिये ही आराम से सो गया हो यानी उसे सहजता से नींद आ गयी हो? कामयाबी के सपने देखना और उसे पा लेने के बीच जो गैप है, उसे भरना आसान नहीं है। उसे भरते हैं आपके उद्देश्यपूर्ण तरीके और समय पर हथौड़ा मारने की कुशलता। आप जान लीजिए कि इन्हीं दो तरकीबों या साधनों को जरिया बनाकर आप चलते और चढ़ते हुए मंजिल तक पहुंचते हैं। दरअसल, सफलता और नाकामी के बीच का फासला 'सही' और 'एकदम सही' के बीच का फासला है। आपने सबकुछ अच्छा किया और समय पर किया लेकिन करते रहने की निरंतरता और उसके माध्यम से उपजने वाली परिपक्वता ही कामयाबी की रेशमी डोर है। ये डोर काफी मजबूत होती है, लेकिन शॉर्त से बंधी भी होती है। आप देख सकते हैं कि जो डोर आपके जीवन के समूचे परिदृश्य को बदल डालने का दमखम रखती हो, वह हल्की या कमजोर तो हो नहीं सकती? सबसे पहले तो खुद को समझना होगा, इसके बाद खुद के सम्मान को समझना होगा, आप किसी भी बेहद कामयाब शख्स में ये दो चीज जरूर पाएंगे। कामयाबी स्मार्ट लोगों को खोजती है। ऐसे लोगों को, जो स्मार्ट ढंग से काम करते हैं, समय पर सही फैसले लेते हैं, अपनी कृति के लिए ग्राहक तलाशते समय कलाकार के दिमाग में ग्राहक की संतुष्टि सबसे पहले होती है। तभी आज एक और कल एक हजार ग्राहक बनते हैं। ऐसे स्मार्ट लोग अनेक तरह के लोगों के पास रहना चाहते हैं क्योंकि उन्हें ठीक से पता होता है कि क्वालिटी खोजने वाले स्मार्ट लोग हैं और यही उनकी तकदीर का निर्माण करेंगे, उसे उपलब्धि के शिखर की ओर ले जाएंगे। लेकिन ये सब खुद को सम्मान देने और खुद के दमखम को इमानदारी से टटोले बिना हो पाना मुश्किल है। उन्साह के साथ कामयाबी तभी मिलती है जब रास्ते में टोकें खाकर भी आपके उत्साह में कोई कमी नहीं रहती। कामयाबी के जच्चे से भरे इंसान के लिए आंखों के सामने कोई रास्ता ना भी हो तो भी चिंता नहीं रहती। वे धीरे-धीरे ही सही, आगे बढ़ते जाते हैं। उन्हें कोई जल्दी भी नहीं रहती। ऐसे लोग कुछ भी पाना चाहें, तो वह उनकी जद के भीतर दिखता है। बस वे यही ध्यान रखते हैं कि खुद का धैर्य न खोयें। जब तक मंजिल हाथ ना लगे, वे धैर्य धारण किये रहते हैं और चैन से नहीं बैठते। इसलिए चाहे जो हो जाए, सपने देखना जारी रखिए। आपके सिवाय कोई दूसरा यह अहसास नहीं करने वाला है। बस याद रखिए और हमेशा गांठ बांधे रहिए कि अपनी जिंदगी का फैसला किसी और के हाथों में कतई मत पड़ने दीजिए।



पढ़ाई के दौरान अधिकतर युवाओं को आर्थिक संकट से गुजरना पड़ता है। जहां कोर्स की फीस बहुत अधिक हो गई है, वहीं एक्स्ट्रा कैलिकुलर एक्टिविटीज में भी पैसे खर्च होने लगे हैं। छोटे-छोटे अतिरिक्त खर्च से परिवार पर आर्थिक बोझ बढ़ता है।



सुतियाम्बे गढ़ में मनाल गेलक महाराजा मदरा मुंडा कर जयंती



रांची। महाराजा मदरा कर एतिहासिक गढ़ सुतियाम्बे मुड़हर पहाड़ कर आसपास सउब धार्मिक चिन्हा में भेड़ा, बकरा आउर मुर्गा कर बलि देइ के गोटे बिधि बिधान, ढोल नगड़ा कर संगे चैत पूर्णिमा जयंती धूमधाम से मनाल गेलक। महाराजा मदरा मुंडा कर जयंती भी मनाल गेलक। इकर में, हेसात, रातु, हेसालुंग, मैकलुस्कीगंज, चुड़ी टोला, उपर कोनकी, चुड़ी

बस्ती, बुदूम सोसई टोला, नगड़ा, चिलदाग सोसो, हेसल गोन्दली पोखर, ओखरगढ़ा, पुसु, बुकरू, कोकदोरो, कांके रोड, मुरुम, होचर, बालू आदि गांवमन से महिलामन आउर पुरुस भारी संख्या में सामिल होलर्यं। महाराजा मदरा मुंडा चैत पुर्णिमा पूजा समिति कर अध्यक्ष अरविंद पट्टन कहलर्यं कि आदिवासी समाज आदिकाल से बलि प्रथा कर

परम्परा के निभाते आय हव्यं। आइज भी महाराजा मदरा मुंडा कर जयंती में सुतियाम्बे मुड़हर पहाड़ कर आसपास सउब धार्मिक अस्थलमन में गोटे बिधि बिधान, ढोल नगड़ा कर संगे पूजा पाठ करल जायेला। भेड़ा, बकरा आउर मुर्गा कर बलि देइ के पूजा संभ्यन कराल

गेलक। मुध संरखक लक्ष्मीनारायण मुंडा कहलर्यं कि महाराजा मदरा मुंडा कर जयंती गोटे आदिवासी समाज में रिझ-रंग, ढोल-नगड़ा कर संगे मनाल गेलक। ऊ कहलर्यं कि आवेक वाला बछर में इकर से भी भव्य रूप मनाल

जाई। संरखक शहदेव मुंडा कहलर्यं की आइज कर युवामन के हभिन कर बीर महापुरुसमन कर इतिहास के जानेक कर जरूरत हेके। महाराजा मदरा मुंडा आपन सासन काल में पड़हा वेवस्था के बनाय रहव्यं, ताकि आदिवासी

समाज एक संगे संगठित होए के रइह सकर्यं। ई कार्यक्रम में पड़हा राजा उज्वल पट्टन, मुखिया लाला महली, साधु मुंडा, रंजन पट्टन, राजेश पट्टन, शिवधन मुंडा, श्यामलाल पट्टन, रामेश्वर पट्टन, सोनु मुंडा, जगदीश पट्टन, सधन उरांव, डब्ल्यू मुंडा, दरिद्र चन्द्र मुंडा, मनीष मुंडा, अनिल कच्छप, शिवरतन मुंडा, सुनील होरो संजू देवी अन्य मौजूद रहव्यं।

धूमधाम से मनाल गेलक प्राकृतिक परब सरहुल बैगा करलर्यं सरई फूल कर बितरन



गुमला। चैनपुर परखंड में मंगलवार के धूमधाम कर संगे प्रकृति परब सरहुल मनाल गेलक। ई अवसर में सरना स्थल में रवि बैग बिधिवत पूजा अर्चना करलर्यं। पूजा कर बाद सउब सरना धर्मावलंबीमन में बैगा सरई फूल कर बितरन करलर्यं।

रवि बैगा कहलर्यं कि सरहुल झारखंड कर परमुख परब हेके, जेके आदिवासी कर संगे सउब वर्ग कर अदमीमन मिइल जुड़ के धूमधाम से मनायना। सरहुल प्रकृति से प्रेम कर प्रतीक हेके। जनजातीय आउर समान समुदाय कर अदमी सरहुल से पहिले खेतमन में बीज नई बोयना। सरहुल में गांव कर बैगझपाहन-पुजारी गांव कर भलाई आउर सुख समृद्धि ले बिभिन अनुष्ठान करयना। बढ़िया फसल ले बेस बारिस कर प्रार्थना करयना। ई दौरान भारतीय जनता पार्टी चैनपुर मंडल कर अध्यक्ष मनोहर बड़ाईक, महामंत्री बुधराम नायक, युवा मोर्चा अध्यक्ष भूपण बैगा, उपाध्यक्ष शिवम केशरी, राजन पाण्डे, रविचंजन, निखिल सिंह, सुरेंद्र कुमार, चैनपुर मुखिया सोभा देवी, संदीप कुमार, कोमल बैगा, त्रिलोकी कुमार, विनय बैगा, संतोष केशरी, निरंजन साहू, भरत कुमार, खुशवंत बैगा, सुवेदार उरांव, सुरज कुमार, सुंदर कुमार संगे देइ गनमान्य बेक्ति उपस्थित रहव्यं। सरहुल परब पंचांग कर अनुसार चैत माह कर पूर्णिमा कर दिन मनाल जायेला। ई दौरान खानपान कर भी खास धेयान राखल जायेला। ई दौरान प्रसाद में जो ब्यंजन देवल जायेला, उनके हड़िया आउर डिआंग कहल जायेला। ई प्रसाद चउर, पानी आउर गळ कर पत्तई से तैयार होवेला। एहे

सिभिल सेवा में सफल हर्षिता चामरिया आउर अमन अग्रवाल होलयं सम्मानित

मारवाड़ी युवा मंच रांची समर्पण शाखा देलयं सम्मान



रांची। सिविल सेवा-2023 कर परीछा में सुश्री हर्षिता चामरिया (रांची) आउर अमन अग्रवाल (चाईबासा) सफलता हासिल करलयं। मारवाड़ी युवा मंच रांची समर्पण

शाखा उनके 23 अप्रैल के सम्मानित करलयं। अध्यक्ष विनीता सिंघानिया कहलर्यं कि गोटा मारवाड़ी समाज के ईमन गौरवान्वित कइइ हव्यं।

मारवाड़ी युवा मंच रांची समर्पण शाखा कर दन से सुभकामना आउर बधाई देल गेलक। महाराजा अग्रसेन भवन में आयोजित कार्यक्रम में सुश्री

हर्षिता चामरिया आउर अमन अग्रवाल के मोमेंटो आउर अंगवस्त्र देइ के सम्मानित करल गेलक। उनकर आयो-आबा के भी सम्मानित करल गेलक।

कार्यक्रम में अध्यक्ष विनीता सिंघानिया, शुभा अग्रवाल, ज्योति अग्रवाल, पूजा अग्रवाल मौजूद रहव्यं। ई जानकारी मीडिया प्रभारी सरिता बथवाल देलयं।

डीएवी आनंद स्वामी पब्लिक इस्कूल में गीता पाठ प्रतिजोगिता आयोजित



रांची। डीएवी आनंद स्वामी पब्लिक इस्कूल, वेस्ट एंड पार्क हेहल में गीता पाठ प्रतिजोगिता कर आयोजन 23 अप्रैल के करल गेलक। कार्यक्रम कर आयोजन श्री सनातन महापंचायत कला प्रकोस्ट झारखंड कर दन से करल जाय रहे। प्रतिजोगिता कर मुध गीतिया कर तौर में डीएवी आनंद स्वामी पब्लिक इस्कूल कर

प्राचार्या रोशी वाधवानी, श्री सनातन महापंचायत झारखंड कर युवा संयोजक डॉ अनिल कुमार, श्री सनातन महापंचायत कला प्रकोस्ट झारखंड कर संयोजक आशुतोष द्विवेदी, समाजसेवी शुभम चौधरी रहव्यं। ई गीता पाठ प्रतिजोगिता कार्यक्रम के सफल बनाएक में इस्कूल कर संस्कृत

सिखिका संगीता समादार, शोफाली मल्होत्रा, सुषमा ठाकुर कर भरपूर सहजोग रहे। ई प्रतिजोगिता कर उद्देश छउवामन कर बीच गीता कर उचित गेयान के बढ़ाएक रहे। श्रीमद भागवत गीता भारत कर सउब प्राचीन योग आउर गेयान कर निचोड़ आउर समन्वय हेके। गीता वास्तव चरित्र

निरमान कर सउबसे बड़ आउर उत्तम सास्त्र हेके। जीवन में बढ़ेक वाला तनाव के कम करेक कर बिधि भी गीता हेके। ई अवसर में छउवामन गीता कर कई स्लोक आउर अध्यायमन के पढ़ के उकर बिस्लेसन भी करलयं। गीता पाठ में भाग लेवेक वाला सउब बिद्यार्थीमन के पुरस्कार देइ के पुरस्कृत करल गेलक।

सीसीएल गांधीनगर अस्पताल में निःसुल्क हृदय रोग जांच सिबिर 26 अप्रैल के



मैक्स सुपर स्पेशियलिटी, अस्पताल कर सीनियर इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. राजीव राठी देबयं सेवा

रांची। सीसीएल कर गांधीनगर केन्द्रीय अस्पताल, रांची में 26 अप्रैल, 2024 के बिहाने 9 बजे से निःसुल्क हृदय रोग संबंधी चिकित्सीय सिबिर (कार्डियक क्लिनिक) कर आयोजन करल जाय हे। ई चिकित्सीय सिबिर में मैक्स सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, नई दिल्ली कर प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. राजीव राठी (सीनियर इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट) हृदय रोग से ग्रसित मरीजमन कर जांच कइ के चिकित्सीय सलाह देबयं।

आपन संगे लानेक हय। सीएमडी डॉ. बी. वीर रेड्डी कर मार्गनिर्देशन में सीसीएल आपन कर्मीमन आउर हितधारकमन कर संगे-संगे समाज कर हर बर्ग ले चिकित्सा सेवा मुहैया कराएक ले कृतसंकल्पित हव्यं। इकर ले सीसीएल बट से समय-समय में देस कर ख्याति प्राप्त बिसेसय चिकित्सकमन के आमत्रित करल जायेला। बिभिन्न बीमारीमन से संबन्धित स्वास्थ्य सिबिर कर आयोजन करल जायेला, जेकर से जरूरतमंद परिवारमन के गंभीर बीमारी कर अत्याधुनिक इलाज कर सुबिधा उनकर घर कर नजिक में मिइल सके। बेसी से बेसी अदमी लाभान्वित होवे पारे।